Dr. Keerti Kumar
Asstt Professor,
Deptt of Psychology, S.R.D.P. College, Barachakia - MFP
(A Constituent Unit of B.R.D. Bihar University MFP)

Subject - Psychology
Topic - Survey Method
Class - B.A (Hon) Part II (Paper IV th)
Day - Friday
Date - 18/02/2022
Period - 4th
Contact No - 9801466117, 6202215708

प्रश्न :- समाज मनोविज्ञान में सर्वविधि के महत्व, गुण एवं दोषों का वर्णन करें?

उत्तर. सर्वेक्षण का शाब्दिक अर्थ होता है — अवलोकन करें, अन्वेषण अथवा ऊपर से देखना। समाज मनोविज्ञान के इस प्रकार के अनुसन्धानों का बहुत महत्व है कर्लिंगर के अनुसार — "सर्वेक्षण अनुसन्धान वैज्ञानिक अन्वेषण की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत छोटे-छोटे आकार की जनसंख्या या सम्पूर्ण जनसंख्या का अध्ययन इन जनसंख्याओं से चुने गये प्रतिदर्श के आधार पर इस उद्देश्य से किया जाता है कि उनके व्याप्त सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक चरों के घटनाक्रम वितरण और चार-परिक अन्तः सम्बन्धों का ज्ञान प्राप्त हो सके। सर्वेक्षण के अनेक प्रकार होते हैं यह सभी सामाजिक मनोविज्ञान के अध्ययनों के उपयोगी हैं।

1. जनसंख्यात्मक सर्वेक्षण
2. सामाजिक पर्यावरण
3. सामाजिक क्रियाओं से सम्बन्धित सर्वेक्षण
4. अभिवृत्ति सम्बन्धि
5. कनरावृत्ति सर्वेक्षण
6. सहकारी सर्वेक्षण
7. चारित्रात्मक सर्वेक्षण
8. उपनत सर्वेक्षण

सर्वेक्षण अनुसंधान के चरण

(i) अनुसंधान समस्या को निश्चित और स्पष्ट रूप देना :- इसके अंतर्गत समस्या के उद्देश्यों का निर्माण किया जाता है। समस्या अध्ययन के लिए साधन और यंत्रों का चयन किया जाता है। जैसे- प्रश्नावली, अनुसूचि, डाक प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि कुछ प्रमुख यंत्र हैं जिनकी सहायता से सर्वेक्षण अनुसंधानों में आंकड़ों का संकलन किया जाता है।

(ii) प्रतिचयन योजना :- सर्वेक्षण अनुसंधान में प्रतिचयन योजना बनाते समय सम्पूर्ण जनसंख्या को सर्वप्रथम सीमाबद्ध किया जाता है। फिर Random Sampling करके प्रतिचयन की व्याख्या की जाती है।

2. अनुसूची की रचना :- सर्वेक्षण अनुसंधान में आंकड़ों का संकलन अनुसूची की सहायता से किया जाता है। अनुसूची एक प्रकार की प्रश्नावली है। यह अनुसूची साक्षात्कार अनुसूची भी हो सकता है। और डाक अनुसूची भी हो सकता है।

4. आंकड़ों का संकलन :- आंकड़ों का संकलन करते समय बहुधा इस प्रकार के अनुसंधान में अध्ययन कर्ता क्षेत्र अध्ययन (Field Studies) करता है। यह अध्ययन फिल्ड कर्मचारी के द्वारा किया जाता है। वे उत्तरदाताओं से सम्पर्क करके किया जाता है। उनसे सूची भरवाया जाता है। आंकड़ों का संकलन पूर्व योजना के अनुसार क्रमबद्ध रूप से किया जाता है।

5. आंकड़ों का विश्लेषण :- प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए आवश्यकतानुसार Coding की जाती है। सारणीयन किया जाता है और अन्तर्वस्तु विश्लेषण किया जाता है।

6. Report प्रस्तुत करना :- आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जो तथ्य प्राप्त होते हैं। उनकी व्याख्या की जाती है और उनकी एक प्रतिवेदन तैयार की जाती है जिसे भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर दिखाया जाता है। या रोगी को पुनः किसी प्रकार की कठिनाई होने पर उसको देखा जाता है।